ISSN NO.2395-0692

IJAHMS International Journal of Arts, Humanities and Management Studies

" नियमित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय और मुक्त विश्वविद्यालय में अध्ययनरत प्रशिक्षुओं/ प्रशिक्षणार्थियों की बी.एड प्रशिक्षण कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं के संबंध में उनके दृष्टिकोण का तुलनात्मक अध्ययन"

श्वेता गर्ग

शोधार्थी, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा मद्रास

सारांश

इस शोध पत्र द्वारा नियमित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय और मुक्त विश्वविद्यालय में अध्ययनरत प्रशिक्षुओं/ प्रशिक्षणार्थियों की बी.एड प्रशिक्षण कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं के संबंध में उनके दृष्टिकोण का तुलनात्मक अध्ययन" किया गया था। अध्ययन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया था। अध्ययन की आबादी में उत्तरप्रदेश और हरियाणा के दूरस्थ शिक्षा केंद्रों के शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों के सभी बी.एड प्रशिक्षु शामिल थे। वर्तमान अध्ययन के नमूने में 400(265 नियमित +135 दूरस्थ) बीएड प्रशिक्षु शामिल हैं जो नियमित और दूरस्थ मोड में नामांकित हैं। नियमित प्रशिक्षुओं (26.25 प्रतिशत) [(155 पुरुष) और (110 महिला)] और 135 दूरी मोड प्रशिक्षुओं (33.75 प्रतिशत) [(80 पुरुष और 55 महिला)] के नमूने में 265 शामिल हैं। इसे रैंडम तरीके से चुना गया है। वर्तमान अध्ययन के लिए बी.एड. प्रशिक्षण - कार्यक्रम का दृष्टिकोण स्केल का उपयोग किया गया है। प्रशिक्षण के 8 घटक((अवधि और कार्य दिवस, प्रवेश प्रक्रिया और शुल्क, पाठ्यक्रम, कार्यक्रम कार्यान्वयन, मूल्यांकन, पाठ्क्रम घटक, शिक्षण का अभ्यास, कर्मचारी, सुविधाएं और प्रबंधन) पर, नियमित और दूरस्थ मोड में बी.एड. प्रशिक्षुओं की राय ली गई। अध्ययन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए वर्णनात्मक सांख्यिकी के साथ-२ पूर्वानुमान सांख्यिकी माध्यम से डाटा का विश्लेषित किया गया है।निष्कर्षों से पता चला है कि नियमित और दूरस्थ मोड में दाखिला लेने वाले बी.एड प्रशिक्षुओं का बी.एड प्रशिक्षण कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं (अवधि और कार्य दिवस, प्रवेश प्रक्रिया और शुल्क, पाठ्यक्रम, कार्यक्रम कार्यान्वयन, मूल्यांकन, पाठ्यक्रम घटक, शिक्षण का अभ्यास, कर्मचारी, सुविधाएं और प्रबंधन) पर दृष्टिकोण में अंतर पाया गया।

प्रमुख शब्द और वाक्यांश: शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, बी.एड प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रति दृष्टिकोण

www.ijahms.com

अध्ययन की पृष्टभूमि:

दुनिया को अभी भी अधिक और बेहतर शिक्षकों की आवश्यकता है। शिक्षा पर डकार सम्मेलन (2000) जो सभी के लिए शिक्षा की उपलब्धता पर आयोजित हुई थी, के बावजूद, 57 मिलियन बच्चे 2015 तक स्कूल से बाहर हैं (यूनेस्को 2010: 54-5)। खुली और दूरस्थ शिक्षा स्कूलों, शिक्षण पेशे और शिक्षा के मंत्रालयों का सामना करने वाली चार समस्याओं के लिए प्रासंगिक है। सरकारों ने कई तरह की रणनीतियों को अपनाकर जवाब दिया है कि पहला, शिक्षकों की कमी बनी हुई है। 1990 के दशक में बढ़ती संख्या के साथ शिक्षक संख्या मुश्किल से बढ़ी। दूसरा, कई देशों में, लेकिन सभी देशों में महिला शिक्षक अल्पमत में नहीं हैं, जो कुछ संस्कृतियों में हैं लड़कियों का नामांकन। जबकि 1990 के बाद से प्रगति हुई है, महिलाओं ने प्राथमिक स्कूल का केवल 45 प्रतिशत बनाया है दक्षिण और पश्चिम एशिया में शिक्षक और 2007 में उप-सहारा अफ्रीका में केवल 44 प्रतिशत। तीसरा, जहां भी हैं पर्याप्त शिक्षक उनमें से भी बहुत से अप्रशिक्षित या प्रशिक्षित हैं। 2001 में यह बताया गया कि "लगभग आधा विकासशील देशों में शिक्षक अपने ही देश के शिक्षकों के औपचारिक शिक्षा मानकों के अनुसार अयोग्य हैं । कई शिक्षक स्वयं माध्यमिक शिक्षा से बहुत कम हैं। शिक्षण विधियां अक्सर पुरानी होती हैं रटे हुए सीखने पर बहुत अधिक ध्यान देने के साथ, फैशन किया गया "(डीएफआईडी 2001:9)। चौथा, कई देश शिक्षकों को बदलना चाहते हैं ' उनके मेजबान समाज के रूप में नौकरियां बदल रही हैं: समावेशी शिक्षा, लोकतंत्र के लिए शिक्षा, सूचना के लिए शिक्षा उम्र, राजनीतिक परिवर्तन, सभी शिक्षण बल पर नई मांग करते हैं

अंतरराष्ट्रीय अनुभव की तुलना में यह दो अंतरों को आकर्षित करने के लिए उपयोगी है: पहला प्रारंभिक शिक्षा और शिक्षकों के प्रशिक्षण और उनके निरंतर व्यावसायिक विकास, और दूसरे के बीच पूर्व-सेवा और सेवा गतिविधियों। अंतर के दो सेट ओवरलैप नहीं होते हैं: जबकि कई शिक्षकों को उनकी सेवा शुरू करने से पहले प्रशिक्षित किया जाता है, अन्य लोग बिना योग्यता के शिक्षण कार्य शुरू करते हैं और अपना प्रारंभिक प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। व्यावसायिक विकास को जारी रखने के कार्यक्रम विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया गया है जिसमें कौशल को बढ़ाना शामिल है1950 के दौरान आजादी के बाद यह महसूस किया गया था कि विस्तार के साथ सामना करने के लिए शिक्षा की एक बड़ी संख्या में स्कूलों की स्थापना की गई और अधिक नहीं। शिक्षकों का होना आवश्यक है हर साल नियुक्त किया जाता है। नहीं। नियमित शिक्षक प्रशिक्षण के माध्यम से प्रशिक्षित शिक्षक संस्थान पर्याप्त नहीं थे। इसके अलावा एक अलाग नं। अप्रशिक्षित शिक्षक अभी भी थे स्कूलों में काम कर रहे हैं। इसलिए शिक्षकों की ट्रेनिंग की जरूरत है हॉट पत्राचार-सह-संपर्क कार्यक्रम 1960 के दशक के दौरान उत्पन्न हुए

www.ijahms.com

ISSN NO.2395-0692
IJAHMS International Journal of Arts, Humanities and Management Studies

केंद्रीय शिक्षा संस्थान और शिक्षा के क्षेत्रीय कॉलेज संचालित ग्रीष्मकालीन- अप्रशिक्षित शिक्षक के प्रशिक्षण के लिए ग्रीष्मकालीन स्कूल-कम-पत्राचार पाठ्यक्रम (एसएससीसी)। बीएड की डिग्री को पुरस्कृत करने के लिए SSCC के प्रयोग ने एक नए प्रकार के पैमाने को जन्म दिया पत्राचार-सह-संपर्क पाठ्यक्रम बी.एड. डिग्री जो कई द्वारा शुरू की गई थी इसके कारण विश्वविद्यालयों ने B.Ed की गुणवत्ता की गिरावट और कमजोर पड़ने का कारण बना। कोर्स ज्ञान, समझ, कौशल और दृष्टिकोण के लिए आवश्यक लेनदेन सक्षम शिक्षक। नवीनतम के साथ शिक्षकों को रखने के लिए simillariy सामग्री ज्ञान और कार्यप्रणाली के विकास के लिए, इंसर्स प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता है विश्वविद्यालयों द्वारा प्रभावी रूप से और लगातार आयोजित किया जाना। इसके बाद, पत्राचार पाठ्यक्रम का नाम बदलकर दूरस्थ शिक्षा कर दिया गया। पत्राचार / दूरस्थ शिक्षा मोड के कुछ अलग फायदे थे। इसे पूरा कर सकता था एक समय में बड़ी संख्या में ग्राहकों की जरूरतों के लिए। यह अच्छी तरह से संरचित और प्रदान करता है मुद्रित शिक्षण सामग्री का मान्य पैकेज। शिक्षार्थियों को पढ़ने में सक्षम बनाना संभव था और इन सामग्रियों को अपनी गति और समय पर समझने के लिए उनके लिए सुविधाजनक है। इन सामग्री को प्रोग्राम्ड लर्निंग या स्व-अध्ययन में विशेषज्ञों द्वारा भी विकसित किया गया था सिद्धांतों। ये भी अच्छी तरह से व्यक्त, व्यापक और अद्यतित थे। यह नहीं था छात्रों की ओर से स्व-अध्ययन सामग्री को ग्रहण करना और उसे आत्मसात करना मुश्किल है। में मामला, स्पष्टीकरण या स्पष्टता के लिए कोई संदेह या कुछ बिंदु हैं जो हो सकते हैं "संपर्क" कार्यक्रमों के दौरान आमने-सामने बातचीत का ध्यान रखा जाता है, जो हैं कभी-कभी आयोजित किया जाता है, ज़ाहिर है, वर्ष में कम से कम एक बार छुट्टियों के दौरान बेहतर होता है। काउंसलर खुले विश्वविद्यालय प्रणाली के तहत अध्ययन केंद्रों पर भी उपलब्ध हैं। छात्र पत्राचार / दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रमों के लिए दाखिला अधिक आत्मनिर्भर और आत्म-प्रेरित पाया जाता है। ये सभी सीखने के अनुभवों को बनाते हैं, विशेष रूप से दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम अधिक पुरस्कृत, सार्थक और लाभदायक है।

डिस्टेंस एजुकेशन मोड में टीचर एजुकेशन के लिए अजीबोगरीब अच्छा क्षमता है इसकी गुणवत्ता और मात्रा दोनों में सुधार के लिए कम नहीं आंका जा सकता है। की कमी है दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से शिक्षक विधा में निहित नहीं है, लेकिन इसके प्रबंधन में। व्यावसायीकरण एक और कलंक है जो उचित उपयोग को वापस पकड़ रहा है शिक्षक शिक्षा में सुधार के लिए दूरी मोड। यहाँ भी गलती TE के साथ नहीं है डे के माध्यम से प्रबंधन के साथ पिछले। मोड के फायदे ने निर्देशित किया हो सकता है इग्नू और B.Ed. के शुभारंभ के लिए NCIE पर प्रबल हुआ। दूरी के माध्यम से पाठ्यक्रम शिक्षा। पर्याप्त बुनियादी ढांचे और कुशल प्रबंधन के साथ, शिक्षक शिक्षा दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों में चमत्कार लाया जा सकता

www.ijahms.com

ISSN NO.2395-0692

IJAHMS International Journal of Arts, Humanities and Management Studies

है। विशेष रूप से, सेवा में शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक प्रबंधित किया जा सकता है दूरस्थ शिक्षा मोड की मदद। अर्थव्यवस्था और दक्षता दोनों को बनाए रखा जा सकता है विभिन्न इन-सर्विस शिक्षक शिक्षा का संगठन। वर्तमान में, ऐसे एक अनियोजित और गैर-व्यवस्थित तरीके से कार्यक्रम बहुत ही लापरवाही से आयोजित किए जा रहे हैं तौर तरीका। सरकार और संस्थान इसके लिए प्रदान किए गए धन को खर्च करने से खुश हैं शिक्षकों के साथ-साथ शिक्षक शिक्षा पर अपेक्षित प्रभाव के बिना उद्देश्य प्रणाली। निम्नलिखित तरीके पारंपरिक हैं और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का उपयोग नहीं कर रहे हैं जो प्रभावशीलता सुनिश्चित कर सकता है। इसलिए, एनसीटीई को इन-सर्विस की एक श्रृंखला तैयार करनी चाहिए विशिष्ट उद्देश्यों और के माध्यम से विभिन्न अवधि के शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम दूरस्थ शिक्षा मोड जिसे नियमित और पूरे वर्ष में शिक्षक शिक्षा और दूरस्थ शिक्षा के निदेशालय और विभाग के माध्यम से लागू किया जा सकता है। कहा पे वे सुविधाजनक और व्यवहार्य महसूस करते हैं और पाठ्यक्रमों को दक्षता और प्रभावशीलता के साथ ठीक से व्यवस्थित किया जा सकता है।

आम तौर पर शिक्षण, पाठ्यक्रम विकास पर बल का समर्थन, और शिक्षकों को नई भूमिकाएं निभाने में सक्षम बनाना। में अभ्यास, इनमें से कुछ भेद धुंधले हो सकते हैं: पाकिस्तान में, उदाहरण के लिए, एक प्राथमिक शिक्षक अभिविन्यास पाठ्यक्रम पाठ्यक्रम सुधार के हितों में चलाया गया था, कई शिक्षकों के लिए निरंतर व्यावसायिक विकास के रूप में सेवा की, लेकिन पहले से ही काम पर अयोग्य शिक्षकों के लिए प्रारंभिक प्रशिक्षण प्रदान किया।

शिक्षक शिक्षा में आम तौर पर चार तत्व शामिल होते हैं: प्रशिक्षु शिक्षक की सामान्य शैक्षिक पृष्ठभूमि में सुधार; उन विषयों के बारे में अपने ज्ञान और समझ को बढ़ाना जो वे सिखाना चाहते हैं; शिक्षाशास्त्र और बच्चों की समझ और सीखने में संतुलन; और व्यावहारिक कौशल और दक्षताओं का विकास। इन चार तत्वों के बीच व्यापक रूप से भिन्न होता है। उदाहरण के लिए,केन्या में प्रारंभिक दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम, शिक्षकों की अपनी शैक्षिक पृष्ठभूमि को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया, जिसे सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में देखा जाता है। चिली में हाल ही में एक और कार्यक्रम, जिसे स्कूलों में सूचना प्रौद्योगिकी के बढ़ते उपयोग का समर्थन करने के लिए डिज़ाइन किया गया था, जो पूरी तरह से बदले हुए पाठ्यक्रम के लिए शिक्षकों को पुन: पेश करने से संबंधित था। शिक्षकों के व्यावहारिक कक्षा कौशल को मजबूत करना अक्सर एक प्राथमिकता के रूप में देखा गया है, लेकिन एक है कि प्रशासनिक रूप से कठिन है और प्राप्त करने के लिए महंगा होने की संभावना है।

इस बड़ी आबादी को शिक्षित करने के लिए औपचारिक शिक्षा प्रणाली बहुत सीमित है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने 11 वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान नामांकन अनुपात को

www.ijahms.com

ISSN NO.2395-0692
IJAHMS International Journal of Arts, Humanities and Management Studies

बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शैक्षिक प्रणाली में जबरदस्त विस्तार आवश्यक है। राष्ट्र द्वारा अपनी जनसंख्या को साक्षर बनाने, उच्च शिक्षित बनाने और मौजूदा निरक्षर और अर्ध-साक्षर लाखों लोगों की प्रगति और बदलाव के बारे में तात्कालिक रूप से बढ़ती हुई प्रतीति के कारण क्रमिक सरकारों ने विभिन्न शिक्षा कार्यक्रम शुरू किए। परिणामस्वरूप, दूरस्थ शिक्षा, पत्राचार शिक्षा, खुली शिक्षा जैसे शब्द शर्तों में जोड़े गए हैं - औपचारिक, गैर-औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा। दूरस्थ शिक्षा की अवधारणा को संस्थागत शिक्षण के लिए एक वैकल्पिक प्रणाली के रूप में सार्वभौमिक रूप से स्वीकार किया गया है, जो अपने सामान्य स्तर पर ही प्राप्त करने का अवसर चूकने वालों को उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए दूसरा अवसर प्रदान करता है। सभी समाज और समूह के जीवन का अपना तरीका है। छात्र अलग तरीके से सीखना चाहते हैं। वे शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में स्वतंत्रता चाहते हैं। शिक्षण की गति भी चिंता का विषय है। दूरस्थ शिक्षा छात्रों को अपनी गति और रुचि सिखाने में सक्षम हो सकती है और उम्र, पाठ्यक्रम, समय और अन्य के संदर्भ में लचीलापन प्रदान कर सकती है।

यह दूरस्थ शिक्षा के बारे में जागरूकता अंतर्निहित समस्या का विश्लेषण करने का एक प्रयास है। यह दूरस्थ शिक्षा के लिए स्नातक छात्रों के दृष्टिकोण पर केंद्रित है क्योंकि सीखने के स्रोत के रूप में दूरस्थ शिक्षा को अपनाने के लिए कुछ बाधाएं हैं। दूरस्थ शिक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए यह अध्ययन उपयोगी होगा। यह दूरस्थ शिक्षा के लिए स्नातक स्तर के छात्रों के नकारात्मक रवैये को तोड़ देगा और दूरस्थ शिक्षा को सीखने के स्रोत के रूप में अपनाने की बाधाओं को दूर करेगा। शिक्षक सामाजिक परिवर्तन का एक सक्रिय एजेंट है। शिक्षण बहुत कीमती और महान पेशा है। यह छात्रों के भविष्य से सीधे जुड़ा हुआ है और आज के छात्र कल के जिम्मेदार नागरिक हैं। पेशे के प्रति दृष्टिकोण का अर्थ है एक व्यक्ति की भावनाओं, व्यवहार और एक निश्चित पेशे के प्रति प्रतिबद्धता। B.Ed छात्र भविष्य के शिक्षक हैं और उनका रवैया निश्चित रूप से उन छात्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है जिन्हें वे पढ़ाने जा रहे हैं। इसलिए शिक्षण पेशे के प्रति बी.एड प्रशिक्षुओं के दृष्टिकोण को जानना आवश्यक है।

अध्ययन का शीर्षक:

अध्ययन का शीर्षक निम्नलिखित है।

" नियमित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय और मुक्त विश्वविद्यालय में अध्ययनरत प्रशिक्षुओं/ प्रशिक्षणार्थियों की बी.एड प्रशिक्षण कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं के संबंध में उनके दृष्टिकोण का तुलनात्मक अध्ययन"

अध्ययन के उद्देश्य: *अध्ययन के प्रमुख उद्देश्य निम्नानुसार थे:*

www.ijahms.com

ISSN NO.2395-0692

IJAHMS International Journal of Arts, Humanities and Management Studies

उद्देश्य 01: नियमित और दूरस्थ मोड में दाखिला लेने वाले बी.एड. प्रशिक्षुओं में बी.एड प्रशिक्षण कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं प्रति दृष्टिकोण में अंतर का पता लगाना।

अध्ययन की परिकल्पना:

अध्ययन के उद्देश्यों के प्रकाश में अन्वेषक ने निम्नलिखित परिकल्पनाओं को तैयार किया है।

परिकल्पना01: नियमित और दूरस्थ मोड में दाखिला लेने वाले बी.एड. प्रशिक्षुओं में बी.एड प्रशिक्षण कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं पर प्रति दृष्टिकोण में अंतर है।

अनुसंधान क्रियाविधि:

अनुसंधान विधि:

वर्तमान अध्ययन वर्णनात्मक क्षेत्र सर्वेक्षण अनुसंधान के प्रकार की श्रेणी में आता है और इसमें तुलनात्मक सर्वेक्षण अनुसंधान की समग्र विशेषताएं शामिल हैं।

अध्ययन की जनसंख्या, न्यादर्शीकरण और न्यादर्शीकरण प्रक्रिया:

अध्ययन की आबादी में उत्तरप्रदेश और हरियाणा के दूरस्थ शिक्षा केंद्रों के शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों के सभी बी.एड प्रशिक्षु शामिल थे। वर्तमान अध्ययन के नमूने में 400(265 नियमित +135 दूरस्थ) बीएड प्रशिक्षु शामिल हैं जो नियमित और दूरस्थ मोड में नामांकित हैं। नियमित प्रशिक्षुओं (26.25 प्रतिशत) [(155 पुरुष) और (110 महिला)] और 135 दूरी मोड प्रशिक्षुओं (33.75 प्रतिशत) [(80 पुरुष और 55 महिला)] के नमूने में 265 शामिल हैं। इसे रैंडम तरीके से चुना गया है।

अध्ययन में इस्तेमाल उपकरण: वर्तमान अध्ययन के लिए बी.एड. प्रशिक्षण - कार्यक्रम का दृष्टिकोण स्केल का उपयोग किया गया है। प्रशिक्षण के 8 घटक((अवधि और कार्य दिवस, प्रवेश प्रक्रिया और शुल्क, पाठ्यक्रम, कार्यक्रम कार्यान्वयन, मूल्यांकन, पाठ्यक्रम घटक, शिक्षण का अभ्यास, कर्मचारी, सुविधाएं और प्रबंधन) पर, नियमित और दूरस्थ मोड में बी.एड. प्रशिक्षुओं की राय ली गई।

सांख्यिकीय विश्लेषण:

वर्णनात्मक सांख्यिकी:- बारम्बारता, प्रतिशत, माध्य , मानक विचलन का प्रयोग किया गया है।
आनुमानिक सांख्यिकी: पैयर्ड सैंपल टी-टेस्ट, काई-स्क्वायर(x^2 -) टेस्ट का प्रयोग किया गया है।

www.ijahms.com

ISSN NO.2395-0692

IJAHMS International Journal of Arts, Humanities and Management Studies

उद्देश्य 01: नियमित और दूरस्थ मोड में दाखिला लेने वाले बी.एड. प्रशिक्षुओं में बी.एड प्रशिक्षण कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं प्रति दृष्टिकोण में अंतर का पता लगाना।

परिकल्पना01: नियमित और दूरस्थ मोड में दाखिला लेने वाले बी.एड. प्रशिक्षुओं में बी.एड प्रशिक्षण कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं पर प्रति दृष्टिकोण में अंतर है।

अध्ययन का उद्देश्य नियमित और दूरस्थ मोड में दाखिला लेने वाले बी.एड प्रशिक्षुओं का बी.एड प्रशिक्षण कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं प्रति दृष्टिकोण में अंतर का विश्लेषण करना था। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए सांख्यिकी आंकड़ों का उपयोग करके डेटा का विश्लेषण किया गया था, परिणाम निम्न तालिका 1 में दिखाए गए हैं।

<u>नियमित और दूरस्थ मोड में दाखिला लेने वाले बी.एड प्रशिक्षुओं का बी.एड प्रशिक्षण कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण:</u>

अध्ययन का उद्देश्य नियमित और दूरस्थ मोड में दाखिला लेने वाले बी.एड प्रशिक्षुओं का बी.एड प्रशिक्षण कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं (अवधि और कार्य दिवस, प्रवेश प्रक्रिया और शुल्क, पाठ्यक्रम, कार्यक्रम कार्यान्वयन, मूल्यांकन, पाठ्यक्रम घटक, शिक्षण का अभ्यास, कर्मचारी, सुविधाएं और प्रबंधन) पर दृष्टिकोण में अंतर पता लगाना था। अध्ययन के तृतीय उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए बी.एड प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए बी.एड प्रशिक्षुओं के दृष्टिकोण के विभिन्न आयामों पर डेटा का विवरण वर्णनात्मक सांख्यिकी के साथ-२ पूर्वानुमान सांख्यिकी माध्यम की मदद से किया गया था। इस पैमाने में आठ आयाम हैं। (ए) अवधि और कार्य दिवस (बी) इंटेक, प्रवेश प्रक्रिया और शुल्क (सी) पाठ्यक्रम (डी) कार्यक्रम कार्यान्वयन (ई) मूल्यांकन (एफ) पाठ्यक्रम घटक (जी) अभ्यास शिक्षण और (एच) स्टाफ, संकाय और प्रबंधन । प्रशिक्षण के सभी आठों घटक पर, नियमित और दूरस्थ मोड में बी.एड प्रशिक्षुओं की राय ली गई और प्रत्येक घटक पर मध्यमान मानक विचलन व् टी- मूल्य की गणना की गई। वर्णनात्मक सांख्यिकी के साथ-२ पूर्वानुमान सांख्यिकी का उपयोग करके डेटा का विश्लेषण किया गया और निम्नलिखित में वर्णित किया गया। जिसका विवरण निम्नलिखित तालिका 1 में प्रदर्शित किया गया है।

तालिका 1 डिस्टेंस मोड और नियमित मोड प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण का स्तर के मध्यमान ,मानक विचलन व टी- मूल्य का विवरण

Sl. No	Component of training प्रशिक्षण के घटक	Types of trainees प्रशिक्षुओं के प्रकार	Statistics सांख्यिकी मीन Mean	S.D	t-value टी -मूल्य	Level of Sig.
1	ए) अवधि और कार्य दिवस (10)	Regular नियमित(N=265)	32.13	08.11	**17.829*****	**Significant**
		Distance दूरस्थ(N=135)	19.40	7.30		
2	(बी) इंटेक, प्रवेश प्रक्रिया और शुल्क (10)	Regular नियमित(N=265)	25.61	6.82	**7.206****	**Significant**
		Distance दूरस्थ(N=135)	21.81	5.91		
3	(सी) पाठ्यक्रम (8)	Regular नियमित(N=265)	18.42	4.73	**9.096****	**Significant**
		Distance दूरस्थ(N=135)	23.53	4.87		
4	(डी) कार्यक्रम कार्यान्वयन (7)	Regular नियमित(N=265)	17.7	3.21	**11.207****	**Significant**
		Distance दूरस्थ(N=135)	20.33	3.89		
5	(ई) मूल्यांकन (9)	Regular नियमित(N=265)	31.32	5.84	**2.301****	**Significant**
		Distance दूरस्थ(N=135)	29.92	5.71		
6	(एफ) पाठ्यक्रम के अवयव	Regular नियमित(N=265)	34.17	8.88		Not

www.ijahms.com

ISSN NO.2395-0692
IJAHMS International Journal of Arts, Humanities and Management Studies

	(10)	Distance दूरस्थ(N=135)	35.29	9.31	1.155	Significant
7	(जी) अभ्यास शिक्षण (9)	Regular नियमित(N=265)	27.61	7.42	**7.824****	**Significant**
		Distance दूरस्थ(N=135)	33.58	7.11		
8	(एच) स्टाफ, संकाय और प्रबंधन(4)	Regular नियमित(N=265)	09.12	3.36	**9.262****	**Significant**
		Distance दूरस्थ(N=135)	12.43	3.49		

उपरोक्त सारणी के अवलोकन से स्पष्ट है कि डिस्टेंस मोड और नियमित मोड प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण के पहले घटक अवधि और कार्य दिवस का मध्यमान ,मानक विचलन क्रमशः 32.13, 08.11; 19.40,7.30 व टी- मूल्य 17.829 है जो कि ३९८ के डिग्री ऑफ़ फ्रीडम के निर्धारित मूल्य से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि गणना किया गया टी- मूल्य दिए गए डिग्री ऑफ़ फ्रीडम पर सार्थक है। अतः इस विवरण से स्पष्ट है कि बीएड प्रशिछण अवधि और कार्य दिवस पर नियमित एवं दूरस्थ मोड के बीएड प्रशिच्छारार्थियों की राय में स्पष्ट अंतर है। इसकी दिशा के नियमित मोड बीएड प्रशिछार्थियों के पछ में है।

इसी प्रकार डिस्टेंस मोड और नियमित मोड प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण के दूसरे घटक इंटेक, प्रवेश प्रक्रिया और शुल्क का मध्यमान ,मानक विचलन क्रमशः 25.61, 6.82; 21.81, 5.91 व टी- मूल्य 7.206 है जो कि ३९८ के डिग्री ऑफ़ फ्रीडम के निर्धारित मूल्य से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि गणना किया गया टी- मूल्य दिए गए डिग्री ऑफ़ फ्रीडम पर सार्थक है। अतः इस विवरण से स्पष्ट है कि बीएड प्रशिछण इंटेक, प्रवेश प्रक्रिया और शुल्क पर नियमित एवं दूरस्थ मोड के बीएड प्रशिच्छारार्थियों की राय में स्पष्ट अंतर है। इसकी दिशा के नियमित मोड बीएड प्रशिछार्थियों के पछ में है।

इसी प्रकार डिस्टेंस मोड और नियमित मोड प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण के तीसरे घटक पाठ्यक्रम का मध्यमान ,मानक विचलन क्रमशः 18.42, 4.73; 23.53, 4.87 व टी- मूल्य 9.096 है जो कि ३९८ के डिग्री ऑफ़ फ्रीडम के निर्धारित मूल्य से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि गणना किया गया टी- मूल्य दिए गए डिग्री ऑफ़ फ्रीडम पर सार्थक है। अतः इस विवरण से स्पष्ट

ISSN NO.2395-0692
International Journal of
IJAHMS Arts, Humanities and Management Studies

है कि बीएड प्रशिछण पाठ्यक्रम पर नियमित एवं दूरस्थ मोड के बीएड प्रशिच्छारार्थियों की राय में स्पष्ट अंतर है। इसकी दिशा के नियमित मोड बीएड प्रशिछार्थियों के पछ में है।

इसी प्रकार डिस्टेंस मोड और नियमित मोड प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण के चौथे घटक कार्यक्रम कार्यान्वयन का मध्यमान ,मानक विचलन क्रमशः 17.70, 3.21; 20.33, 3.89 व टी- मूल्य 11.207 है जो कि ३९८ के डिग्री ऑफ़ फ्रीडम के निर्धारित मूल्य से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि गणना किया गया टी- मूल्य दिए गए डिग्री ऑफ़ फ्रीडम पर सार्थक है। अतः इस विवरण से स्पष्ट है कि बीएड प्रशिछण कार्यक्रम कार्यान्वयन पर नियमित एवं दूरस्थ मोड के बीएड प्रशिच्छारार्थियों की राय में स्पष्ट अंतर है। इसकी दिशा के नियमित मोड बीएड प्रशिछार्थियों के पछ में है।

इसी प्रकार यह भी पाया गया की डिस्टेंस मोड और नियमित मोड प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण के पांचवे घटक मूल्यांकन का मध्यमान ,मानक विचलन क्रमशः 31.32, 5.84; 29.92, 5.71व टी- मूल्य 2.301 है जो कि ३९८ के डिग्री ऑफ़ फ्रीडम के निर्धारित मूल्य से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि गणना किया गया टी- मूल्य दिए गए डिग्री ऑफ़ फ्रीडम पर सार्थक है। अतः इस विवरण से स्पष्ट है कि बीएड प्रशिछण मूल्यांकन पर नियमित एवं दूरस्थ मोड के बीएड प्रशिच्छारार्थियों की राय में स्पष्ट अंतर है। इसकी दिशा के नियमित मोड बीएड प्रशिछार्थियों के पछ में है।

यह भी पाया गया की डिस्टेंस मोड और नियमित मोड प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण के छठा घटक पाठ्यक्रम के अवयव का मध्यमान ,मानक विचलन क्रमशः 31.32, 5.84; 29.92, 5.71व टी- मूल्य 1.155 है जो कि ३९८ के डिग्री ऑफ़ फ्रीडम के निर्धारित मूल्य से कम है। इससे स्पष्ट है कि गणना किया गया टी- मूल्य दिए गए डिग्री ऑफ़ फ्रीडम पर सार्थक नहीं है। अतः इस विवरण से स्पष्ट है कि बीएड प्रशिछण पाठ्यक्रम के अवयव पर नियमित एवं दूरस्थ मोड के बीएड प्रशिच्छारार्थियों की राय में स्पष्ट अंतर नहीं है।

इसी प्रकार यह भी पाया गया की डिस्टेंस मोड और नियमित मोड प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण के सातवाँ घटक अभ्यास शिक्षण का मध्यमान ,मानक विचलन क्रमशः 27.61, 7.42; 33.58, 7.11 व टी- मूल्य 7.824 है जो कि ३९८ के डिग्री ऑफ़ फ्रीडम के निर्धारित मूल्य से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि गणना किया गया टी- मूल्य दिए गए डिग्री ऑफ़ फ्रीडम पर सार्थक है। अतः इस विवरण से स्पष्ट है कि बीएड प्रशिछण अभ्यास शिक्षण पर नियमित एवं दूरस्थ मोड के बीएड प्रशिच्छारार्थियों की राय में स्पष्ट अंतर है। इसकी दिशा के नियमित मोड बीएड प्रशिछार्थियों के पछ में है।

www.ijahms.com

ISSN NO.2395-0692
IJAHMS International Journal of Arts, Humanities and Management Studies

यह भी पाया गया की डिस्टेंस मोड और नियमित मोड प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण के आठवाँ घटक स्टाफ, संकाय और प्रबंधन का मध्यमान ,मानक विचलन क्रमशः 09.12, 3.36; 12.43, 3.49व टी- मूल्य 9.262 है जो कि ३९८ के डिग्री ऑफ़ फ्रीडम के निर्धारित मूल्य से अधिक है। इससे स्पष्ट है कि गणना किया गया टी- मूल्य दिए गए डिग्री ऑफ़ फ्रीडम पर सार्थक है। अतः इस विवरण से स्पष्ट है कि बीएड प्रशिछण स्टाफ, संकाय और प्रबंधन पर नियमित एवं दूरस्थ मोड के बीएड प्रशिच्छारार्थियों की राय में स्पष्ट अंतर है। इसकी दिशा के दूरस्थ मोड बीएड प्रशिछार्थियों के पछ में है।*उपरोक्त विवरण से श्पष्ट है कि तीसरी प्रोपोज़ड परिकल्पना 'नियमित और दूरस्थ मोड में दाखिला लेने वाले बी.एड प्रशिक्षुओं का बी.एड प्रशिक्षण कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं (अवधि और कार्य दिवस, प्रवेश प्रक्रिया और शुल्क, पाठ्यक्रम, कार्यक्रम कार्यान्वयन, मूल्यांकन, पाठ्यक्रम घटक, शिक्षण का अभ्यास ,कर्मचारी, सुविधाएं और प्रबंधन)पर राय में अंतर है' को अस्वीकार कर दिया गया था।*

अध्ययन का परिणाम:

नियमित और दूरस्थ मोड में दाखिला लेने वाले बी.एड प्रशिक्षुओं का बी.एड प्रशिक्षण कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं (अवधि और कार्य दिवस, प्रवेश प्रक्रिया और शुल्क, पाठ्यक्रम, कार्यक्रम कार्यान्वयन, मूल्यांकन, पाठ्यक्रम घटक, शिक्षण का अभ्यास , कर्मचारी, सुविधाएं और प्रबंधन) पर दृष्टिकोण में अंतर पाया गया।

संदर्भ सूची:

i. यूनेस्को बैंकॉक। (2004)। शिक्षा में आईसीटी का घालमेल: छह एशियाई देशों (इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया और थाईलैंड) का सामूहिक केस स्टडी। Http://www.unescobkk.org/education/ict/themes/teaching-learning/trends-and-case-studies/case-studies/ से लिया गया

ii. यूनेस्को बैंकॉक। (2007)। शिक्षा में आईसीटी: एशिया-प्रशांत क्षेत्र [पीडीएफ दस्तावेज़] से केस अध्ययन। Http://unesdoc.unesco.org/images/0015/001567/156757e.pdf से लिया गया

iii. शास्त्री, एन.के. (2009)। दुनिया को करीब लाना: खुली और दूरस्थ शिक्षा प्रणाली। नई दिल्ली: भारतीय विश्वविद्यालयों का संघ। यूनिवर्सिटी न्यूज, 47 (19) मई 11-17, 2009. पीपी 16-23।

www.ijahms.com

iv. साहू, पी.के. (1999)। दूरस्थ शिक्षा में शैक्षिक प्रौद्योगिकी। नई दिल्ली: अरावली प्रकाशन।

v. साहू, पी.के., एट अल। (1999)। बी.एड की केस स्टडी। कोटा ओपन यूनिवर्सिटी का कार्यक्रम। नई दिल्ली: इग्नू, यूनेस्को की कुर्सी परियोजना।

vi. शुलमैन, एल.एस. (1986)। जो समझते हैं: शिक्षण में ज्ञान वृद्धि। शैक्षिक शोधकर्ता 15 (2), 4-14।

vii. शुलमैन, एल.एस. (1987) ज्ञान और शिक्षण: नए सुधार की नींव। हार्वर्ड शैक्षिक समीक्षा 57 (1), 1-22।

viii. सत्यनारायण, आर। (2004)। स्टूडेंट- सपोर्ट सर्विसेस एंड ओपन लर्निंग इन ए ओपन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली: मित्तल पब्लिकेशन।

ix. लटकेम, सी।, और जंग, आई (2010)। एशिया में दूरी और मिश्रित शिक्षा। न्यूयॉर्क, एनवाई: रूटलेज।

x. लर्निंग एंड एशियन डेवलपमेंट बैंक (Eds।) का कॉमनवेल्थ। (2008)। खुले और दूरस्थ शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन: एक टूलकिट। वैंकूवर, बीसी: कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग और मनीला, फिलीपींस: एशियन डेवलपमेंट बैंक।

xi. टैंग, वाई।, और एलन, जे। (2005)। पूर्व-सेवा शिक्षकों के कौशल और प्रौद्योगिकी एकीकरण में विश्वास बढ़ाने के लिए एक शैक्षिक मनोविज्ञान पाठ्यक्रम में ब्लैकबोर्ड का उपयोग करना। इंटरएक्टिव ऑनलाइन लर्निंग 3 (4) के जर्नल, 1-12।

xii. टेलर, जे। सी। (1995)। दूरस्थ शिक्षा प्रौद्योगिकियाँ: चौथी पीढ़ी। ऑस्ट्रेलियन जर्नल ऑफ़ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी 11 (2), 1-7। Http://www.ascilite.org.au/ajet/ajet11/taylor.html से प्राप्त किया गया

www.ijahms.com